WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

DRUG TAKING VICE AMONG DELHI UNIVERSITY STUDENTS

*324. SHRI M. K. MOHTA: DR. B. N. ANTANI:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE/

be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that drug taking vice is fast spreading among the students of the Delhi University;

(b) if so, whether Government have made any assessment of this growing evil; and

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, what remedial measures Government propose to take to check this evil?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL

WELFARE/

(PROF. D. P.TADAV): (a) According to the information furnished by the Delhi University there is no basis to assume that the drug taking vice is fast spreading among the students.

(b) and (c). Do not arise.

भारतीय भाषाओं के विकास पर खर्च की गई राशि

*328. श्री सूरज प्रसाद : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्येक भारतीय भाषा के विकास के लिए कितनी रकम खर्च की गई ?

MONEY SPENT FOR DEVELOPMENT OF INDIAN LANGUAGES

•328. SHRI SURAJ PRASAD: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE/

be pleased to state the amount of money tfiatTia!TBeen spent by the Central Government for the development of each one of the Indian languages during the last three years?]

t[ ] English translation.

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (प्रो० डी० पी० यादव) : विवरण संलग्न है जिसमें आवश्यक सूचना दी गई है।

विवरण

भारतीय भाषाओं के विकास के लिये खर्च की गई राशि

भाषा का नाम	खर्च की गई राशि (लाख रुपयों में)
असमिया	6.13
बंगला	2.73
गुजराती	7.70
हिन्दी	473.48
कन्नड़	16.62
मैथिलि	3
मलयालम	3
मराठी	3.75
उड़िया	12.13
राजस्थानी	00.25
तमिल	17.65
तेलुगु	41.17
उर्दू	2.85
संस्कृत	145.36
पंजाबी	8.50
अखिल भारतीय भाषा समागम और सम्मेलन।	0.36
हिन्दी, संस्कृत तथा मातृभाषा के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं की पुस्तकों पांडुलिपियों के लिए पुरस्कार।	0.31

मंत्रालय द्वारा चालू की गई भारतीय भाषाओं के विकास संबंधी योजना पर किये जाने वाले उपरोक्त व्यय के अतिरिक्त साहित्य अकादमी और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की विभिन्न भारतीय भाषाओं में साहित्य प्रकाशित कर के भारतीय भाषाओं के विकास में अपना